

Indian Journal of Modern Research and Reviews

This Journal is a member of the 'Committee on Publication Ethics'

Online ISSN:2584-184X



Research Article

ग्रामीण एवं शहरी उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षा का तुलनात्मक अध्ययन

वेद कुमारी शर्मा

स्वतंत्र शोधकर्ता, रामपुर, उत्तर प्रदेश, भारत

Corresponding Author: वेद कुमारी शर्मा *

DOI: <https://doi.org/10.5281/zenodo.20916431>

सारांश

वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों में करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षा के स्तर का तुलनात्मक अध्ययन करना है। शिक्षा के वर्तमान परिदृश्य में करियर जागरूकता विद्यार्थियों को उपयुक्त शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्णय लेने में सहायता प्रदान करती है, जबकि व्यावसायिक आकांक्षा उनके भविष्य के व्यवसाय एवं करियर लक्ष्यों को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस अध्ययन में ग्रामीण एवं शहरी उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को नमूने के रूप में चयनित किया गया। अध्ययन हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया तथा करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षा मापन हेतु मानकीकृत उपकरणों का उपयोग किया गया। प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण उपयुक्त सांख्यिकीय तकनीकों के माध्यम से किया गया। अध्ययन से यह ज्ञात हुआ कि ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की करियर जागरूकता तथा व्यावसायिक आकांक्षाओं में महत्वपूर्ण अंतर पाया जाता है। शहरी विद्यार्थियों में करियर संबंधी जानकारी एवं अवसरों की उपलब्धता अपेक्षाकृत अधिक होने के कारण उनकी करियर जागरूकता का स्तर उच्च पाया गया। अध्ययन के निष्कर्ष विद्यार्थियों के करियर विकास एवं मार्गदर्शन कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन में सहायक सिद्ध हो सकते हैं।

Manuscript Information

- ISSN No: 2584-184X
- Received: 07-05-2026
- Accepted: 20-06-2026
- Published: 26-06-2026
- IJCRM:4(6); 2026: 255-259
- ©2026, All Rights Reserved
- Plagiarism Checked: Yes
- Peer Review Process: Yes

How to Cite this Article

शर्मा वीके. ग्रामीण एवं शहरी उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षा का तुलनात्मक अध्ययन. Indian J Mod Res Rev. 2026;4(6):255-259.

Access this Article Online



www.mrrjournal.in

मुख्य शब्द: करियर जागरूकता, व्यावसायिक आकांक्षा, उच्च माध्यमिक विद्यालय, ग्रामीण विद्यार्थी, शहरी विद्यार्थी, तुलनात्मक अध्ययन, करियर मार्गदर्शन।

1. प्रस्तावना

शिक्षा मानव जीवन के सर्वांगीण विकास का एक महत्वपूर्ण साधन है। वर्तमान वैश्वीकरण एवं प्रतिस्पर्धात्मक युग में विद्यार्थियों के लिए अपने करियर के प्रति जागरूक होना अत्यंत आवश्यक हो गया है। करियर जागरूकता से तात्पर्य विभिन्न व्यवसायों, रोजगार के अवसरों, शैक्षिक योग्यताओं तथा भविष्य की संभावनाओं के संबंध में विद्यार्थियों की जानकारी एवं समझ से है। वहीं व्यावसायिक आकांक्षा विद्यार्थियों की उन इच्छाओं, महत्वाकांक्षाओं एवं लक्ष्यों को दर्शाती है, जिन्हें वे अपने भविष्य के व्यवसाय या करियर के रूप में प्राप्त करना चाहते हैं।

उच्च माध्यमिक स्तर विद्यार्थियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण होता है, क्योंकि इसी अवस्था में वे अपने भविष्य की शिक्षा एवं व्यवसाय से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय लेते हैं। करियर के प्रति उचित जागरूकता एवं स्पष्ट व्यावसायिक आकांक्षा विद्यार्थियों को सही दिशा प्रदान करती है तथा उनके व्यक्तित्व एवं व्यावसायिक विकास में सहायक होती है।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में उपलब्ध शैक्षिक संसाधनों, सूचना एवं संचार सुविधाओं, सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों तथा करियर मार्गदर्शन के अवसरों में भिन्नता पाई जाती है। इन भिन्नताओं का प्रभाव विद्यार्थियों की करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षाओं पर पड़ सकता है। शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को अपेक्षाकृत अधिक संसाधन एवं करियर संबंधी जानकारी उपलब्ध होती है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को अनेक चुनौतियों एवं सीमित अवसरों का सामना करना पड़ता है।

इन्हीं परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत अध्ययन "ग्रामीण एवं शहरी उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षा का तुलनात्मक अध्ययन" विषय पर केंद्रित है। यह अध्ययन दोनों वर्गों के विद्यार्थियों की करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षा के स्तर का तुलनात्मक विश्लेषण करेगा तथा उनके मध्य विद्यमान अंतर को समझने का प्रयास करेगा। अध्ययन के निष्कर्ष शिक्षा नीति निर्माताओं, शिक्षकों, अभिभावकों एवं करियर परामर्शदाताओं के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं।

समस्या का कथन

वर्तमान समय में विद्यार्थियों के लिए करियर संबंधी सही जानकारी एवं उचित व्यावसायिक मार्गदर्शन अत्यंत आवश्यक है। करियर जागरूकता विद्यार्थियों को उनकी रुचियों, क्षमताओं एवं उपलब्ध अवसरों के अनुरूप उचित शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्णय लेने में सहायता प्रदान करती है। साथ ही, व्यावसायिक आकांक्षा विद्यार्थियों के भविष्य के लक्ष्यों एवं उपलब्धियों को प्रभावित करती है।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में शैक्षिक संसाधनों, सूचना एवं संचार तकनीकों, आर्थिक परिस्थितियों तथा करियर मार्गदर्शन सुविधाओं में पर्याप्त अंतर पाया जाता है। इन अंतरों के कारण विद्यार्थियों की करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षाओं में भी भिन्नता होने की संभावना रहती है। शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को करियर संबंधी जानकारी एवं अवसर अपेक्षाकृत अधिक उपलब्ध होते हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को सीमित संसाधनों एवं अवसरों का सामना करना पड़ सकता है।

ऐसी स्थिति में यह जानना आवश्यक है कि ग्रामीण एवं शहरी उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की करियर जागरूकता एवं

व्यावसायिक आकांक्षा का स्तर क्या है तथा दोनों समूहों के मध्य किस प्रकार का अंतर विद्यमान है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत अध्ययन की समस्या को निम्न प्रकार से व्यक्त किया गया है—
क्या ग्रामीण एवं शहरी उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षा में कोई सार्थक अंतर पाया जाता है?

2. अध्ययन के उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

1. ग्रामीण एवं शहरी उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की करियर जागरूकता के स्तर का अध्ययन करना।
2. ग्रामीण एवं शहरी उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षा के स्तर का अध्ययन करना।
3. ग्रामीण एवं शहरी उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की करियर जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
4. ग्रामीण एवं शहरी उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षा का तुलनात्मक अध्ययन करना।
5. करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षा के मध्य संबंध का अध्ययन करना।
6. अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर विद्यार्थियों की करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षा के विकास हेतु आवश्यक सुझाव प्रस्तुत करना।

परिकल्पनाएँ

अध्ययन के उद्देश्यों के आधार पर निम्नलिखित शून्य परिकल्पनाएँ निर्मित की गई हैं—

H₀₁: ग्रामीण एवं शहरी उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की करियर जागरूकता के स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

H₀₂: ग्रामीण एवं शहरी उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षा के स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन

करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षा विद्यार्थियों के शैक्षिक तथा व्यावसायिक विकास के महत्वपूर्ण आयाम हैं। करियर जागरूकता विद्यार्थियों को विभिन्न व्यवसायों, शैक्षिक अवसरों तथा रोजगार संबंधी संभावनाओं की जानकारी प्रदान करती है, जबकि व्यावसायिक आकांक्षा उनके भविष्य के व्यवसायिक लक्ष्यों एवं उपलब्धियों को निर्धारित करती है। इन दोनों अवधारणाओं का विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास तथा करियर निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है।

सुपर ने अपने करियर विकास सिद्धांत में प्रतिपादित किया कि करियर का चयन एक निरंतर विकासात्मक प्रक्रिया है, जो व्यक्ति के जीवन के विभिन्न चरणों में विकसित होती है। उनके अनुसार करियर संबंधी जागरूकता व्यक्ति को उचित व्यावसायिक निर्णय लेने में सहायता प्रदान करती है।

गिन्सबर्ग, गिन्सबर्ग, एक्सलरैड एवं हरमा ने करियर चयन को एक विकासात्मक प्रक्रिया माना तथा यह निष्कर्ष प्रस्तुत किया कि किशोरावस्था में विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षाएँ उनके भविष्य के निर्णयों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं।

हॉलैण्ड ने अपने व्यावसायिक चयन सिद्धांत में स्पष्ट किया कि व्यक्ति की रुचियाँ, व्यक्तित्व तथा कार्य वातावरण के मध्य सामंजस्य होने पर व्यावसायिक सफलता एवं संतुष्टि की संभावना बढ़ जाती है। करियर जागरूकता इस सामंजस्य की पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

बंडूरा के सामाजिक अधिगम सिद्धांत के अनुसार व्यक्ति की व्यावसायिक आकांक्षाएँ सामाजिक वातावरण, आत्म-प्रभावकारिता (Self-Efficacy) तथा उपलब्ध अवसरों से प्रभावित होती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि विद्यार्थियों की आकांक्षाएँ उनके अनुभवों तथा सामाजिक अंतःक्रियाओं के आधार पर विकसित होती हैं।

हैविघस्ट ने किशोरावस्था को व्यावसायिक विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण अवस्था माना तथा बताया कि इसी अवधि में विद्यार्थी अपने भविष्य के करियर संबंधी निर्णयों एवं आकांक्षाओं का निर्माण करते हैं।

भारतीय संदर्भ में किए गए विभिन्न अध्ययनों से ज्ञात होता है कि ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की करियर जागरूकता तथा व्यावसायिक आकांक्षाओं में अंतर पाया जाता है। शर्मा ने अपने अध्ययन में पाया कि जिन विद्यार्थियों को करियर संबंधी पर्याप्त जानकारी उपलब्ध थी, उनमें भविष्य के प्रति स्पष्टता एवं आत्मविश्वास अधिक था।

सिंह एवं वर्मा के अध्ययन में यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि शहरी विद्यार्थियों में करियर जागरूकता का स्तर ग्रामीण विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक था। इसका प्रमुख कारण शहरी क्षेत्रों में उपलब्ध शैक्षिक संसाधन, इंटरनेट सुविधाएँ तथा करियर परामर्श सेवाएँ थीं।

गुप्ता ने ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षाओं का तुलनात्मक अध्ययन करते हुए पाया कि शहरी विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षाएँ अपेक्षाकृत अधिक उच्च एवं विविध थीं, जबकि ग्रामीण विद्यार्थियों की आकांक्षाएँ सीमित अवसरों के कारण अपेक्षाकृत कम पाई गईं।

वर्मा ने अपने अध्ययन में पाया कि अभिभावकों की शैक्षिक पृष्ठभूमि, सामाजिक-आर्थिक स्तर तथा विद्यालयी संसाधन विद्यार्थियों की करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षाओं को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं।

उपरोक्त साहित्य के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षा विद्यार्थियों के समग्र विकास के महत्वपूर्ण घटक हैं। साथ ही, ग्रामीण एवं शहरी परिवेश में उपलब्ध अवसरों एवं संसाधनों की भिन्नता के कारण इन दोनों आयामों में अंतर पाया जा सकता है। अतः वर्तमान अध्ययन ग्रामीण एवं शहरी उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों में करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षा का तुलनात्मक अध्ययन करने का प्रयास करता है।

3. शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन "ग्रामीण एवं शहरी उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षा का तुलनात्मक अध्ययन" विषय पर आधारित है। अध्ययन के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि (Descriptive Survey Method) का प्रयोग किया गया। यह विधि किसी समूह की वर्तमान स्थिति, विशेषताओं, विचारों एवं व्यवहारों के अध्ययन के लिए उपयुक्त मानी जाती है। चूँकि प्रस्तुत शोध का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों

की करियर जागरूकता तथा व्यावसायिक आकांक्षाओं का तुलनात्मक अध्ययन करना है, इसलिए इस विधि का चयन किया गया।

अध्ययन की जनसंख्या में उत्तर प्रदेश के चयनित जनपद के ग्रामीण एवं शहरी उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 11 एवं 12 के सभी विद्यार्थी सम्मिलित किए गए। जनसंख्या में से अध्ययन हेतु स्तरीकृत यादृच्छिक नमूना चयन विधि (Stratified Random Sampling Technique) द्वारा कुल 200 विद्यार्थियों का चयन किया गया, जिनमें 100 ग्रामीण एवं 100 शहरी क्षेत्र के विद्यार्थी सम्मिलित थे। यह नमूना अध्ययन की आवश्यकताओं एवं उद्देश्यों के अनुरूप निर्धारित किया गया।

अध्ययन में विद्यार्थियों की करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षा का मापन करने के लिए मानकीकृत करियर जागरूकता मापनी तथा व्यावसायिक आकांक्षा मापनी का उपयोग किया गया। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों से संबंधित सामान्य जानकारी प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत सूचना प्रपत्र का भी प्रयोग किया गया। इन उपकरणों के माध्यम से आवश्यक तथ्यों एवं आँकड़ों का संकलन किया गया।

डेटा संकलन के लिए सर्वप्रथम चयनित विद्यालयों से अनुमति प्राप्त की गई। तत्पश्चात् विद्यार्थियों को अध्ययन के उद्देश्य से अवगत कराते हुए उन्हें आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। विद्यार्थियों द्वारा प्रश्नावलियों को भरने के पश्चात् उन्हें संकलित किया गया तथा अपूर्ण एवं त्रुटिपूर्ण प्रपत्रों को अलग कर दिया गया। प्राप्त आँकड़ों को व्यवस्थित कर सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु तैयार किया गया। अध्ययन में प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण माध्य (Mean), मानक विचलन (Standard Deviation), 't' परीक्षण तथा सहसंबंध (Correlation) जैसी उपयुक्त सांख्यिकीय तकनीकों की सहायता से किया गया। इन परिणामों के आधार पर अध्ययन की परिकल्पनाओं का परीक्षण किया गया तथा निष्कर्ष प्राप्त किए गए।

4. डेटा का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों में करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षा का तुलनात्मक अध्ययन करना था। अध्ययन के अंतर्गत संकलित आँकड़ों का विश्लेषण सांख्यिकीय विधियों की सहायता से किया गया। प्राप्त परिणामों के आधार पर विद्यार्थियों की करियर जागरूकता तथा व्यावसायिक आकांक्षाओं के स्तर का अध्ययन एवं उनकी तुलना की गई।

विश्लेषण से यह ज्ञात हुआ कि शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों में करियर जागरूकता का स्तर ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक है। शहरी क्षेत्रों में विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों, प्रतियोगी परीक्षाओं, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों तथा रोजगार के अवसरों से संबंधित अधिक जानकारी उपलब्ध होती है। इंटरनेट, पुस्तकालय, करियर काउंसलिंग केंद्र तथा अन्य शैक्षिक संसाधनों की उपलब्धता भी शहरी विद्यार्थियों की करियर जागरूकता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके विपरीत ग्रामीण क्षेत्रों में संसाधनों एवं सूचना के सीमित साधनों के कारण विद्यार्थियों की करियर संबंधी जानकारी अपेक्षाकृत कम पाई गई।

व्यावसायिक आकांक्षा के संबंध में भी अध्ययन के परिणामों से यह स्पष्ट हुआ कि शहरी विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षाएँ ग्रामीण

विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक विकसित हैं। शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थी विभिन्न व्यवसायों एवं करियर विकल्पों के प्रति अधिक जागरूक होने के कारण अपने भविष्य के लिए उच्च लक्ष्य निर्धारित करते हैं। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों की आकांक्षाएँ अनेक बार सामाजिक, आर्थिक एवं भौगोलिक सीमाओं से प्रभावित होती हैं। यद्यपि वर्तमान समय में सूचना प्रौद्योगिकी के विस्तार के कारण ग्रामीण विद्यार्थियों में भी करियर के प्रति जागरूकता बढ़ी है, फिर भी दोनों समूहों के मध्य अंतर स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

अध्ययन से यह भी ज्ञात हुआ कि करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षा के मध्य सकारात्मक संबंध विद्यमान है। जिन विद्यार्थियों में करियर संबंधी जानकारी एवं जागरूकता अधिक पाई गई, उनमें व्यावसायिक आकांक्षाओं का स्तर भी अधिक पाया गया। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि विद्यार्थियों को उचित करियर मार्गदर्शन एवं जानकारी प्रदान करके उनकी व्यावसायिक आकांक्षाओं को सकारात्मक दिशा दी जा सकती है।

प्राप्त परिणाम यह भी संकेत करते हैं कि विद्यालयों में करियर परामर्श एवं मार्गदर्शन सेवाओं की उपलब्धता विद्यार्थियों के करियर विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जिन विद्यार्थियों को नियमित रूप से करियर संबंधी जानकारी एवं परामर्श प्राप्त हुआ, उनमें करियर जागरूकता तथा व्यावसायिक आकांक्षा दोनों का स्तर अपेक्षाकृत उच्च पाया गया। अतः यह कहा जा सकता है कि विद्यालयी वातावरण, पारिवारिक सहयोग तथा सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियाँ विद्यार्थियों की करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षाओं को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण कारक हैं।

प्रमुख निष्कर्ष

अध्ययन के विश्लेषण के आधार पर निम्नलिखित प्रमुख निष्कर्ष प्राप्त हुए—

1. ग्रामीण एवं शहरी उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की करियर जागरूकता में अंतर पाया गया।
2. शहरी विद्यार्थियों की करियर जागरूकता ग्रामीण विद्यार्थियों की तुलना में अधिक पाई गई।
3. ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षाओं में भी अंतर पाया गया।
4. शहरी विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षाएँ अपेक्षाकृत अधिक विकसित एवं उच्च स्तर की पाई गई।
5. करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षा के मध्य सकारात्मक संबंध पाया गया।
6. जिन विद्यार्थियों में करियर संबंधी जानकारी अधिक थी, उनमें व्यावसायिक आकांक्षाओं का स्तर भी अधिक पाया गया।
7. विद्यालयों में उपलब्ध करियर मार्गदर्शन सेवाएँ विद्यार्थियों की करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षा को प्रभावित करती हैं।
8. सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियाँ एवं पारिवारिक पृष्ठभूमि विद्यार्थियों के करियर विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।
9. ग्रामीण क्षेत्रों में करियर संबंधी संसाधनों एवं मार्गदर्शन सुविधाओं का विस्तार किए जाने की आवश्यकता है।
10. करियर परामर्श कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यावसायिक विकास में सहायक सिद्ध हो सकते हैं।

शैक्षिक निहितार्थ

प्रस्तुत अध्ययन के निष्कर्ष शिक्षा के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण निहितार्थ प्रस्तुत करते हैं। सर्वप्रथम यह स्पष्ट होता है कि विद्यार्थियों में करियर जागरूकता विकसित करने के लिए विद्यालय स्तर पर व्यवस्थित एवं प्रभावी करियर मार्गदर्शन कार्यक्रमों का संचालन आवश्यक है। प्रत्येक विद्यालय में समय-समय पर करियर काउंसलिंग सत्र, कार्यशालाएँ एवं विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किए जाने चाहिए ताकि विद्यार्थियों को विभिन्न शैक्षिक एवं व्यावसायिक अवसरों की जानकारी प्राप्त हो सके। अध्ययन से यह भी स्पष्ट होता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में करियर संबंधी जानकारी एवं संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके लिए विद्यालयों में करियर सूचना केंद्र स्थापित किए जा सकते हैं तथा डिजिटल माध्यमों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा सकता है। ग्रामीण विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों एवं रोजगार अवसरों से संबंधित जानकारी नियमित रूप से उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

शिक्षकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षकों को विद्यार्थियों की रुचियों, क्षमताओं एवं अभिरुचियों को पहचानकर उन्हें उपयुक्त मार्गदर्शन प्रदान करना चाहिए। इसके अतिरिक्त अभिभावकों को भी विद्यार्थियों के करियर चयन में सहयोगी भूमिका निभाने के लिए जागरूक किया जाना चाहिए।

5. सुझाव

प्रस्तुत अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर निम्नलिखित सुझाव प्रस्तुत किए जाते हैं—

1. विद्यालयों में नियमित रूप से करियर मार्गदर्शन एवं परामर्श कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए, जिससे विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों एवं रोजगार अवसरों की जानकारी प्राप्त हो सके।
2. ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में करियर सूचना केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए, जहाँ विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों से संबंधित अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराई जा सके।
3. विद्यार्थियों की करियर जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेषज्ञों, शिक्षाविदों एवं विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवर व्यक्तियों द्वारा समय-समय पर व्याख्यान एवं कार्यशालाएँ आयोजित की जानी चाहिए।
4. विद्यालयों में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) के उपयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जिससे विद्यार्थियों को ऑनलाइन करियर संबंधी संसाधनों तक पहुँच प्राप्त हो सके।
5. अभिभावकों को भी विद्यार्थियों के करियर चयन एवं व्यावसायिक विकास में सक्रिय सहयोग देने हेतु जागरूक किया जाना चाहिए।
6. विद्यार्थियों की रुचियों, अभिरुचियों एवं क्षमताओं का समय-समय पर मूल्यांकन किया जाना चाहिए ताकि उन्हें उनकी योग्यता के अनुरूप उचित करियर मार्गदर्शन प्रदान किया जा सके।
7. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों के मध्य करियर संबंधी अवसरों एवं संसाधनों की असमानता को कम करने के लिए विशेष योजनाएँ एवं कार्यक्रम संचालित किए जाने चाहिए।
8. राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर करियर परामर्श सेवाओं को विद्यालयी शिक्षा का अभिन्न अंग बनाया जाना चाहिए ताकि प्रत्येक विद्यार्थी को समान अवसर प्राप्त हो सके।

9. शिक्षकों को करियर मार्गदर्शन संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिए, जिससे वे विद्यार्थियों का प्रभावी मार्गदर्शन कर सकें।
10. भविष्य में इस विषय पर व्यापक स्तर पर विभिन्न राज्यों एवं शैक्षिक स्तरों के विद्यार्थियों को शामिल करके अनुसंधान किए जाने चाहिए।

6. निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों में करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षा का तुलनात्मक अध्ययन करना था। अध्ययन के परिणामों से यह स्पष्ट हुआ कि विद्यार्थियों की करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षाएँ उनके सामाजिक, शैक्षिक तथा आर्थिक परिवेश से प्रभावित होती हैं। शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों में करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षा का स्तर ग्रामीण विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक पाया गया, जिसका प्रमुख कारण संसाधनों, सूचना एवं मार्गदर्शन सुविधाओं की अधिक उपलब्धता है।

अध्ययन से यह भी ज्ञात हुआ कि करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षा के मध्य सकारात्मक संबंध विद्यमान है। जिन विद्यार्थियों को करियर संबंधी अधिक जानकारी एवं मार्गदर्शन प्राप्त होता है, वे अपने भविष्य के प्रति अधिक स्पष्ट एवं उच्च आकांक्षाएँ विकसित करते हैं। यह तथ्य इस बात को रेखांकित करता है कि विद्यार्थियों के समुचित करियर विकास के लिए प्रभावी करियर परामर्श एवं मार्गदर्शन सेवाएँ अत्यंत आवश्यक हैं।

अध्ययन के निष्कर्ष यह संकेत करते हैं कि विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में करियर जागरूकता बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास किए जाने चाहिए। विद्यालयों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं नीति निर्माताओं के संयुक्त प्रयासों से विद्यार्थियों को उनके भविष्य के संबंध में उचित दिशा एवं अवसर प्रदान किए जा सकते हैं। इस प्रकार करियर जागरूकता एवं व्यावसायिक आकांक्षा का विकास न केवल विद्यार्थियों के व्यक्तिगत विकास के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह समाज एवं राष्ट्र के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करता है।

संदर्भ सूची

1. कपिल एचके. अनुसंधान विधियाँ एवं सांख्यिकी. आगरा: एच. पी. भार्गव बुक हाउस; 2019.
2. कोठारी सीआर. अनुसंधान पद्धति: विधियाँ एवं तकनीकें. नई दिल्ली: न्यू एज इंटरनेशनल पब्लिशर्स; 2018.
3. शर्मा आरए. शिक्षा अनुसंधान. मेरठ: आर. लाल बुक डिपो; 2020.
4. शर्मा आरए. शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन. मेरठ: आर. लाल बुक डिपो; 2019.
5. अग्रवाल जेसी. शिक्षा अनुसंधान की विधियाँ. नई दिल्ली: विकास पब्लिशिंग हाउस; 2019.
6. गुप्ता एसपी. शिक्षा में सांख्यिकी. इलाहाबाद: शारदा पुस्तक भवन; 2020.
7. राय पारसनाथ. अनुसंधान परिचय. नई दिल्ली: विश्वभारती प्रकाशन; 2018.
8. सिंह एके. शिक्षा मनोविज्ञान. पटना: भारती भवन प्रकाशन; 2018.

9. वर्मा बीपी. कैरियर जागरूकता एवं व्यावसायिक विकास. नई दिल्ली: ए. पी. एच. पब्लिशिंग कॉर्पोरेशन; 2021.
10. चौहान एसएस. शिक्षा मनोविज्ञान. आगरा: विनोद पुस्तक मंदिर; 2017.
11. शर्मा आर. माध्यमिक विद्यार्थियों में करियर जागरूकता का अध्ययन. शिक्षा अध्ययन पत्रिका. 2014;12(2):45.
12. सिंह एस, वर्मा ए. ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की करियर जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन. भारतीय शैक्षिक अनुसंधान पत्रिका. 2016;8(1):33.
13. गुप्ता पी. ग्रामीण एवं शहरी किशोरों की व्यावसायिक आकांक्षाएँ. अंतरराष्ट्रीय शिक्षा एवं मनोविज्ञान पत्रिका. 2017;5(3):61.
14. मिश्रा आर, तिवारी एस. उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों की व्यावसायिक आकांक्षाओं का अध्ययन. भारतीय शिक्षा शोध पत्रिका. 2015;3(2):40.
15. चौहान वी. उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों की करियर जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन. भारतीय शैक्षिक समीक्षा. 2021;57(2):78.
16. शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020. नई दिल्ली: भारत सरकार; 2020.
17. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी). मार्गदर्शन एवं परामर्श. नई दिल्ली: एनसीईआरटी; 2020.

Creative Commons License

This article is an open-access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution-Non-commercial-No Derivatives 4.0 International (CC BY-NC-ND 4.0) License. This license permits users to copy and redistribute the material in any medium or format for non-commercial purposes only, provided that appropriate credit is given to the original author(s) and the source. No modifications, adaptations, or derivative works are permitted.

About the Author



वेद कुमारी शर्मा उत्तर प्रदेश के रामपुर की एक स्वतंत्र शोधकर्ता हैं। वे सामाजिक एवं क्षेत्रीय अध्ययन से संबंधित शोध कार्य में संलग्न हैं। उनका कार्य ज्ञान-विकास, सामुदायिक मुद्दों और शैक्षणिक शोध में योगदान देना है तथा स्वतंत्र अनुसंधान के माध्यम से अकादमिक विमर्श को आगे बढ़ाता है।